



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रधानमंत्री द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

म. 139] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 24 1994/चैत्र 3, 1916

No. 139] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 24, 1994/CHAITRA 3, 1916

गृह मंत्रालय

एक सी आम ग्रंथिविजन

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1994

अधिसूचना

का. आ. सं. 252(श) —यन्: सोनातल्ला मिलन मंदि, डाकघर सोनातल्ला जिला-हावड़ा, ८. वंगाल का। विदेशी अभियाय (विनियम) अधिनियम, १९७६ (१९७६ का ४९) की धारा ६, को उपधारा (१) के परन्तुक के अनुगाम कोई विदेशी अभियाय स्थीकार करने के लिए भारत के राजपत्र में का. आ. सं. 216 (श) दिनांक २० मार्च, १९८९ के रूप में प्रकाशित अधिसूचना के तहत पूर्व घन्ताघातित था।

और यन्: उपर्युक्त सोनातल्ला मिलन मंदि, डाकघर सोनातल्ला जिला हावड़ा, प. वंगाल ने उक्त अधिनियम की धारा ६(१) के अधीन जारी उक्त आदेशो के प्रतिमृगण के लिए अभ्यावेदन किया है।

प्रतः व्यवस्था के सोनातला मिलन गंगा, डाकघर, सोनातला जिला दायड़ा प. बंगाल द्वारा किए गए अध्यायेदान और की गई उपचानामक कार्यवाही पर विचार करने हुए, केन्द्र सरकार ने उक्त प्रादेश का प्रतिसंहरण करने का निर्णय लिया है और एनदटार रक्षा प्रतिसंहरण करती है।

[म. 11/21022/8(6)/89 एफ सी आर.एस.]

वी. एम. एलावाडी, मंत्रकृत सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(FCRA Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th March, 1994

S.O. 252(E).—Whereas the Sonatala Milan Sangha, P.O. Sonatala, District Howrah, West Bengal was required to obtain prior permission in terms of proviso to sub-section (1) of section 6 of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 (49 of 1976) for acceptance of any foreign contribution, vide notification published in the Gazette of India Extra-ordinary as S.O. No. 216(E), dated 20th March, 1989.

And whereas the said Sonatala Milan Sangha, P.O. Sonatala, District Howrah, West Bengal has represented for revocation of the said orders issued under section 6(1) of the said Act.

Now, therefore, in consideration of the representation made and the remedial action taken by the said Sonatala Milan Sangha, P.O. Sonatala, District Howrah, West Bengal, the Central Government has decided to revoke and hereby revokes the said order.

[No. II/21022/8(6)/89-FCRA.J]

V. S. AILAWADI, Jt. Secy.